14.16 hrs.

Title: Regarding issue relating to imposing of penalty on Indian cricket players touring South Africa.

SHRI KIRTI JHA AZAD (DARBHANGA): Sir, I have given a notice to raise an important issue. ...(*Interruptions*)

KUMARI MAMATA BANERJEE (CALCUTTA SOUTH): Sir, it is an important issue. Parliament is in Session. Kindly allow. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on recordâ€¦*(Interruptions) â€¦* *

MR. SPEAKER: Considering the importance of the subject, as an exceptional case I am calling Shri Kirti Jha Azad to raise the issue.â€¦ (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Please speak on behalf of everybody. ...(*Interruptions*)

SHRI MOHAN RAWALE (MUMBAI SOUTH CENTRAL): Sir, kindly allow me to speak only two sentences. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not a cricketer.

SHRI MOHAN RAWALE : Sir, I also played cricket. ...(*Interruptions*)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : अध्यक्ष महोदय, इस समय पूरा हाउस, पूरा देश इस बात से अवगत है और जितने क्रिकेट प्रेमी लोग हैं, वे जानते हैं कि इस समय साउथ अफ्रीका में जो स्थिति है, वह बड़ी गम्भीर है। जिस प्रकार से हमारे खिलाड़ी, विशेा कर सचिन तेंदुलकर जिन को पदम विभूाण मिला है और सौरव गांगुली जो टीम के कप्तान हैं, अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए हैं, उन्हें गलत, अन्यायपूर्वक और अनुचित सजाएं दी गई हैं। इसमें पूरा पक्षपात किया गया है। अगर मैं यह कहूं तो इस बात से सभी सहमत होंगे कि इसमें रंग-भेद नीति की बात स्पट रूप से दिखाई देती है।

इससे संबंधित उदाहरण लिया जाए तो देखेंगे कि हमारे दो खिलाड़ी चाहे श्री वी.वी.एस. लक्ष्मण थे या श्री एस.एस. दास थे, उनके ऊपर जबर्दस्ती लम्बी अपील करके, शॉन पौलेक जो साउथ अफ्रीका के कप्तान हैं, जिन्होंने एल.बी.डब्लयू लिया, पहले वी.वी.एस. लक्ष्मण, उसके बाद एस.एस. दास एल.बी. डबल्यू हुए और वह भी प्लेड बॉल के ऊपर। मुझे बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि जिस प्रकार से उन्होंने डिसक्रिमिनेटरी पॉलिसी इस जगह एप्लाई की है जिसे देखने पर साफ पता लगता है और पीछे अगर आप जाएं तो आपको पता लगेगा कि किस प्रकार हमारे खिलाड़ियों के साथ अन्याय हुआ है। मैं शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकता जो पहले मैच के अन्दर एक साउथ अफ्रीकन फास्ट बॉलर ने हमारे कप्तान को लेकर किया था, जो अखबारों में फ्रंट पेज पर आया, लेकिन उस पर कुछ नहीं हुआ। हमने टेलीविजन के ऊपर ऐसे कई दृश्य देखे हैं जब हमारे खिलाड़ी उस समय सौरी मांगने गए हैं जब किसी ऑस्ट्रेलियन प्लेयर के सिर पर बॉल लगी और फिर न जाने कौन-कौन से शब्द उसे कहे गए, लेकिन पिछले मैच देखेंगे तो 18 में से 10 ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत और पाकिस्तान के हैं जिन को इस प्रकार गलत रूप से सजाएं दी गईं। बोर्ड ने इस मामले को काफी सीरियसली लिया है।

पीछे ममता जी ने बात की थी और उनके कहने पर आज बोर्ड की स्पैशल कमेटी की बैठक हो रही है। जहां तक आई.सी.सी. की बात है, मैं यही कहना चाहता हूं कि आई.सी.सी. से बड़ा टूथलैस टाइगर कोई नहीं है। पहले उन्होंने एक मिलियन डॉलर केवल मैच फिक्सिंग की जांच पर खर्च किया और उसमें से कुछ नहीं निकला। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों को लेकर जो आपत्ति की, उसमें भी कुछ नहीं था। स्टीव वॉ आज कह रहे हैं कि सचिन तेंदुलकर ने जो किया, वह गलत है। उन्हें खुद अपने घर में, बगल में झांक कर देखना चाहिए। उनके अपने भाई और टीम के उप कप्तान ने चार-चार हजार डॉलर लेकर अपनी टीम के कम्पोजिशन के बारे में बताया था, उन्होंने मैच के बारे में बताया था कि क्या स्थिति होने वाली है, पिच के बारे में कहा, लेकिन उसके ऊपर आज तक आई.सी.सी. ने कुछ नहीं किया। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि आई.सी.सी. का जितना पैसा आता है, वह व्हाइट में आता है। मैं चाहूंगा कि सरकार एक निश्चित निर्णय ले। This is not an obligation of the Government that they should show any mercy apart from all the Indian matches that are being held in India. उनका पैसा यदि आप एक बार रोकेंगे तब पता लगेगा कि आई.सी.सी. के अन्दर कितनी ताकत है? उन्होंने जिस प्रकार की नीति अपनाई है, मैं उसके बारे में कहना चाहूंगा कि इसके ऊपर गम्भीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। सरकार को इसके ऊपर निर्णय लेना चाहिए, रंग-भेद की नीति खत्म होनी चाहिए। जिस प्रकार हमारे खिलाड़ियों के साथ किया गया है â€¦ (व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंहः अध्यक्ष महोदय, साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हुआ, उसे लेकर हम विरोध प्रकट करना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The entire House is also supporting you.

SHRI KIRTI JHA AZAD : It is a very important matter. Only 24 hours are left before the next Match starts.

कल दो बजे बातचीत हो चुकी है और सचिन जैसे खिलाड़ी को लैटर में कह दिया गया है। इस बोर्ड की पालिसी वही है जो श्री लेले की थी, "You show me the man, I will show you the rule."

MR. SPEAKER: Shri Kirti Azad, please conclude.

श्री कीर्ति झा आज़ाद : अध्यक्ष महोदय, किसी ने देखा नही कि क्या स्थिति थी। वहां बरसात हुई थी, कीचड़ थी, घास थी जिस पर बाल लग रही थी। इसके बारे में पाकिस्तान के प्लेयर्स वसीम अकरम और यूनुस दोनों ने हमारी बात का समर्थन किया है और कहा है कि सचिन के साथ जो कुछ हुआ है, वह गलत हुआ है। इन सब बातों को देखते हुये मैं चाहूंगा कि सब से पहले आई.सी.सी. की टांगे काटनी चाहिये और इन लोगों के मैच भारत से बाहर नहीं हो और इसे दिखाने का आदेश भारत सरकार के आई.एंड बी. मिनिस्ट्री की तरफ से नहीं होना चाहिये। अगर बी.सी.सी.आई. अपनी टीम को वापस बुलाना चाहे तो बुला ले, उसका मैं समर्थन करता हूं लेकिन साथ ही मै यह भी कहना चाहता हूं कि बी.सी.सी.आई. जो भी निर्णय ले, उससे हमारे खिलाड़ियों पर कोई आंच नहीं आनी चाहिये। उन लोगों को पूरा प्रोटैक्शन मिलना चाहिये, यही मेरा आपसे निवेदन है।

कुमारी ममता बनर्जी : अध्यक्ष जी, श्री कीर्ति आजाद, पूर्व क्रिकेटर ने बात कही, वह बहुत गंभीर है। मैं इस हाउस में साउथ अफ्रीकन बोर्ड को कांग्रेचुलेट करना चाहूंगी कि बी.सी.सी.आई. ने जो डिमांड की, उसका उन्होंने समर्थन किया है। हमारा रिश्ता साउथ अफ्रीका के साथ बराबर ठीक है। हमारे साथ अच्छे रिश्ते के लिये हम उनका सपोर्ट करते हैं। जो बात कही गई है, वह बहुत गंभीर है। हमारे देश का गौरव इससे जुड़ा हुआ है। हमारे खिलाड़ी सचिन और सौरव की विश्व में इज्जत होती है।

The Indian cricket team is not only for India; it is for the whole world. All over the world, people love India's cricket team and we love world cricket. This is the relation between India and the world. इस स्थिति में हमारे प्लेयर्स के साथे मैच रैफ्री ने जो मिसबिहेव किया है, यह बहुत गंभीर बात है। इसलिये मैं कहना चाहती हूं कि

The Board of Control for Cricket in India is an autonomous body. The Government cannot intervene in this body. लेकिन बात यह है कि जब देश की प्रैस्टीज की बात होती है तो सरकार को बी.सी.सी.आई. को बुलाकर बात करनी चाहिये। आज उन्होंनें पहले डिसीजन ले लिया कि थर्ड टैस्ट में रैफरी मि. डैनिस नहीं रहें। मैं सरकार से मांग करूंगी कि देश की प्रेस्टीज का सवाल है, बी.सी.सी.आई. से बात करे। उनकी आज मीटिंग में फाइनल डिसीजन होने वाला है, इसके पहले सरकार उनको बुला ले। यदि हमारी टीम की इज्जत नहीं रही तो वापस आ जाये। हमारे खिलाड़ी कल खेलेंगे और सचिन का सब अच्छा काम काला-काला हो जायेगा, एक स्कैंडल हो जायेगा। सचिन जिन्दगीभर शानदार तरीके से खेला है लेकिन अब उसकी जिन्दगी पनिशमेंट वाली हो जायेगी। इसलिये मैं चाहती हूं कि सरकार बी.सी.सी.आई. की मीटिंग होने से पहले उन्हें बुलाकर बात करनी चाहिये ताकि हमारे देश की प्रेस्टीज की रक्षा हो सके।

SHRI SONTOSH MOHAN DEV (SILCHAR): Mr. Speaker, Sir, I am a very neat and clean player. Hence, I am saying that we all agree to what has been said by Shri Kirti Azad and Kumari Mamata Banerjee. For a change, the whole House is united on this issue. Let the message go to everybody and let a decision be taken by the BCCI and the Government of India. The prestige of our country and our players must be maintained. This is my humble submission to you and to the Government. This is the appeal of the whole House.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, I believe that the feelings in the whole country are being expressed here.

As it was rightly suggested, we have the friendliest relations with South Africa. The South African Board is supporting us. We have no quarrel with South Africa. If we recall the team it will affect the South African players and South Africa's image. Therefore, I feel that we should strongly condemn the clearly discriminatory attitude taken by the match referee. Cricket is not just anybody's game; it has become a world sport. The interest that is shown is not only inside the House but outside also. The entire country is agitated.

Let us not add fuel to the fire. We strongly condemn this discriminatory attitude. We strongly condemn the way the fair name of the sports and fair name of the Indian players is sought to be affected. We hope that the good sense will prevail in ICC. They will pay heed to the demands of BCCI. ICC should know that the entire country in India stands by the side of BCCI in their reasonable demands as they have made with regard to the match referee and do condemn the very clearly discriminatory attitude. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Dasmunsi, you are not a cricket player. You are a football player.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, you perhaps do not know the first Parliamentary Cricket Club when it was founded, Shri Kirti Azad used to give us the bowling and his father, myself and Shri Fateh Singh Gaikwad used to play.

Sir, I just associate with Shri Kirti Azad and all the hon. Members. However, I will only make a caution. The country, as a whole, has been fighting racism throughout the world and India is second to none to condemn any kind of inflection and reflection of racism.

Sir, South Africa, as a nation, is not only our friend, we shall go together for many years to come. The South African Cricket Board has rightly reflected their viewpoints, which we thank them from this House.

Shri Sachin Tendulkar is not merely a cricketer. He is our Ambassador in the world for having the fair thinking of the young population of this country in the field of games.

Sir, I have gone through several critics' observations which have appeared in the newspapers. The way Shri Sachin Tendulkar was personally isolated to drag into the controversy by Denness is not correct. I am not competent here to question the technicality.

Sir, I only appeal to the Government to immediately obtain the report from the Ambassador or High Commissioner, who is there on our behalf, and if possible, to convey our feelings in the strongest possible manner that such recurrence in future should not take place on the grounds of caste, religion or race because there are genuine apprehensions that since Delhi Police tape recorded the dialogue of Hansie Cronje on the match fixing, a kind of revengeful attitude has been taken in this case. The Government should find out and should say that in this matter, the country is one and unanimous.

Sir, we are not questioning the game, not the authority of the Board or umpire or cricket or the referee, but the manner in which it has been done, we totally, unequivocally and unanimously condemn it. But my appeal is same as

of Shri Somnath Chatterjee's. Twice you think, if you recall the team back whether it will create problems for our relations with South Africa. All these things must be seriously thought of. But we stand by our team and the players, who are glorified, who are carrying our flags. I will stand by them. We are against the discrimination and we condemn the views expressed by Denness in his newspaper reports. The whole House condemn it.

श्री मोहन रावले : सर, उन्होंने हिन्दुस्तान के क्रिकेटर्स का ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान की जनता, देशवासियों का अपमान करने की कोशिश की है । सचिन तेंदुलकर ने आज जो वर्ल्ड रिकाड्र्स बनायें हैं, उन्होंने उन वर्ल्ड रिकाड्र्स पर दाग लगाने की कोशिश की है । यह रंगभेद है, रंगभेद को ही उन्होंने आधार बनाया है। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी डोनाल्ड ने द्रविड़ को गाली दी, उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई । कालिस ने मिसबिहेवियर किया, उसके ऊपर कार्रवाई नहीं हुई । इस तरह से साउथ अफ्रीकी प्लेयर्स पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है । जैसा श्री दासमुन्शी जी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान क्रोनिये पर हमने कार्रवाई की थी । साउथ अफ्रीकी मीडिया हमें बदनाम करना चाहता है, इसलिए उन्होंने ये सब किया है । उनके प्लेयर्स जब चिल्ला-चिल्लाकर अपील कर रहे थे, पोलॉक चिल्ला-चिल्ला कर अपील कर रहा था तो उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इन लोगों ने श्रीलंका के खिलाड़ी मुरलीधरन् को थ्रो बॉलर घोति किया था तो सारी टीम उसके साथ, उसके समर्थन में खड़ी हो गई थी । इसलिए मैं मांग करता हूं कि यह केवल साउथ अफ्रीका के साथ हमारे देश के संबंधों का सवाल नही है, हमारी लड़ाई आई.सी.सी. के साथ है । यदि आज वे रेफरी निकालने को राजी नहीं हैं, बी.सी.सी.आई. ने दूसरे रेफरी के लिए कहा है, लेकिन वे राजी नहीं है ।

सर, सचिन तेंदुलकर ने कहा कि बॉल पर कीचड़ था, जिसे उसने पोंछकर दूर करने की कोशिश की थी, बॉल के साथ टैम्परिंग नहीं की थी । सचिन तेंदुलकर के बारे में मैं नहीं कहता कि वह मुम्बई, महाराट्र के खिलाड़ी हैं, वह हिन्दुस्तान की शान है, हिन्दुस्तान की जान है । इसलिए मैं आपसे अपील करता हूं कि हिन्दुस्तानी खिलाड़ियों के खिलाफ जिस प्रकार से वे कार्रवाई कर रहे हैं, इस मामले में हम चाहते हैं कि हिन्दुस्तानी क्रिकेटर्स को वापस बुलाया जाए, पूरी टीम को वापस बुलाया जाए । श्री अरुण जेटली यहां बैठे हैं मैं उनसे भी इस बारे में अपील करता हूं ।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सरकार क्यों चुप बैठी है? सरकार को तुरन्त इस पर जवाब देना चाहिए।

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI ARUN JAITLEY): Sir, we have noted the feelings which have been expressed unanimously by all sections of the House because it is the national prestige as also the image of the game which has suffered by certain events. Certain apprehensions and views have been expressed by the Members of the House. The BCCI has already taken a strong and clear position on this issue and while respecting the autonomy of the sports administration, certainly I will make an effort to convey to the BCCI and the Minister of Sports, the feelings which have been expressed by the Members of the House so that they can be taken into consideration when they decide their stand.

-————————

MR. SPEAKER: Before we take up discussion under Rule 193, there is a small statement by the Railway Minister, Shri Nitish Kumar.